भारत एवं विश्व में हुए प्रमुख विद्रोह

samanyagyan.com/hindi/gk-major-revolts-in-history

विद्रोह से संबंधित भारत और विश्व इतिहास की मुख्य घटनाएं/वारदात/वृत्तांत, जिन्हे जानकर आपका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा।

भारत और विश्व इतिहास में "विद्रोह" से प्रमुख घटनाओं की सूची:

दिन/ महीना/ वर्ष	घटना/वारदात/वृत्तांत
25 दिसम्बर 1066	नॉर्मन कॉन्क्वेस्ट-विलियम द कॉन्करर को वेस्टमिंस्टर एब्बे में इंग्लैंड के राजा का ताज पहनाया गया था, हालांकि बाद के वर्षों में उन्हें विद्रोह का सामना करना पड़ा और 1072 के बाद तक उनके सिंहासन पर सुरक्षित नहीं था।
20 सितम्बर 1260	बाल्ट्स के प्रूसिएन्ड्रिब द्वारा दो प्रमुख प्रशियाई विद्रोहियों में से दूसरा टेउटोनिक शूरवीरों के खिलाफ शुरू हुआ।
30 मार्च 1282	सिसिली के लोगों ने नेपल्स के एंग्विन राजा चार्ल्स। के शासन के खिलाफ विद्रोह करना शुरू कर दिया, जिससे वेसिकर्स वेस्पर्स का युद्ध शुरू हो गया।
12 जून 1381	किसानों के विद्रोह का पहला सामूहिक विरोध ब्लैकहैड, इंग्लैंड में शुरू हुआ, जिसमें लोलार्ड पुजारी जॉन बॉल ने एक भीड़ से पूछा, 'जब एडम ने ईव को हटा दिया था और हवलदार था, तब वह सज्जन कौन थे?'
4 मई 1436	स्वीडिश विद्रोही और बाद में राष्ट्रीय नायक एन्गेलब्रेट एंगेलब्रेक्टसनसन ने एंजेलब्रेक विद्रोह के बीच हत्या कर दी।
28 नवम्बर 1443	ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ विद्रोह, स्केंडरबेग और उनके बलों ने मध्य अल्बानिया में क्रुजा को खड़ा किया और अल्बानियाई झंडा उठाया।
29 जून 1444	स्केंडरबेग ने तोरिवोल में एक तुर्क आक्रमण बल को हराया। स्केन्डरबेग 15 वीं शताब्दी का अल्बानियाई रईस था। टॉरविओल की लड़ाई, जिसे लोअर डिबरा की लड़ाई के रूप में भी जाना जाता है, को टेरविओल के मैदान में लड़ा गया था, जो कि आधुनिक-आधुनिक अल्बानिया है। स्केंडरबेग अल्बानियाई मूल के एक ओटोमन कप्तान थे जिन्होंने अपनी जन्मभूमि पर वापस जाने और एक नए अल्बानियाई विद्रोह की बागडोर लेने का फैसला किया।

29 जून 1444	स्केन्डरबेग के नेतृत्व में अल्बानियाई ने तुर्क साम्राज्य के खिलाफ एक शानदार जीत के लिए विद्रोह किया।
2 अक्टूबर 1470	इंग्लैंड के राजा एडवर्ड चतुर्थ के साथ, रिचर्ड नेविल, वारविक के 16 वें अर्ल द्वारा आयोजित एक विद्रोह के बाद नीदरलैंड भागने के लिए मजबूर हो गए, हेनरी VI को इंग्लैंड के सिंहासन पर बहाल कर दिया गया।
12 मई 1510	झुआ झिफ़ान, अनहुआ के राजकुमार (आधुनिक शानक्सी, चीन में), झेंग सम्राट के शासन के खिलाफ एक असफल विद्रोह शुरू किया।
10 जुलाई 1519	झू चेनहाओ ने मिंग राजवंश के सम्राट झेंगडे ऑसुपर की घोषणा की, जो निंग विद्रोह के राजकुमार की शुरुआत कर रहे थे, और उन्होंने अपनी सेना के उत्तर में नानजिंग पर कब्जा करने का प्रयास किया।
16 अप्रैल 1520	टॉलेडो, कैस्टिले के नागरिक, जो विदेशी मूल के चार्ल्स वी के शासन के विरोध में थे, विद्रोह में बढ़ गए जब शाही सरकार ने कट्टरपंथी शहर पार्षदों को एकजुट करने का प्रयास किया।
17 मई 1521	अंग्रेजी रईस एडवर्ड स्टैफोर्ड, जिसके पिता को राजा रिचर्ड III के खिलाफ विद्रोह करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, खुद को राजा हेनरी आठवीं के खिलाफ देशद्रोह का दोषी ठहराया गया था।
23 मई 1568	नीदरलैंड ने स्पेन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। डच विद्रोह उत्तरी का सफल विद्रोह था, जो स्पेन के रोमन कैथोलिक राजा फिलिप द्वितीय के शासन के विरुद्ध निम्न देशों के बड़े पैमाने पर प्रोटेस्टेंट सात प्रांतों का था, जिन्हें बरगंडी के डिची जंक्शन से क्षेत्र (सत्रह प्रांत) विरासत में मिला था। दक्षिणी कैथोलिक प्रांत शुरू में विद्रोह में शामिल हो गए, लेकिन बाद में उन्हें स्पेन भेज दिया गया।
9 नवम्बर 1576	हैब्सबर्ग नीदरलैंड्स के प्रांतों ने गेन्ट के पासीफिकेशन पर हस्ताक्षर किए, विद्रोही प्रांतों हॉलैंड और जीलैंड के साथ शांति बनाने के लिए, और कब्जे वाले स्पेनिश को देश से बाहर निकालने के लिए एक गठबंधन बनाने के लिए भी।
31 जनवरी 1578	अस्सी साल का युद्ध: स्पेन ने गेम्ब्लौक्स की लड़ाई में एक पेराई जीत हासिल की, विद्रोही प्रांतों की एकता के विघटन को तेज किया और ब्रसेल्स के संघ को समाप्त कर दिया।
25 फरवरी 1586	अकबर के दरबारी कवि बीरबल विद्रोही यूसुफजई के साथ एक लड़ाई में मारे गये।
12 मई 1588	हेनरी III की उदारवादी नीतियों के खिलाफ एक स्पष्ट रूप से सहज जन विद्रोह, कट्टरपंथी पेरिस में पैदा हुआ।

8 फरवरी 1601	रॉबर्ट डेवर्क्स, एसेक्स के दूसरे अर्ल ने क्वीन एलिजाबेथ I के खिलाफ एक असफल विद्रोह का नेतृत्व किया।
24 जून 1622	डच-पुर्तगाली युद्ध-एक निरंकुश पुर्तगाली ने मकाऊ की लड़ाई में एक डच हमले को नाकाम कर दिया, एकमात्र प्रमुख सैन्य विद्रोह था जो चिनसेमैनलैंड पर दो यूरोपीय शक्तियों के बीच लड़ा गया था।
15 अप्रैल 1638	शिमबरा में कैथोलिक जापानी किसानों द्वारा विद्रोही करों में एक विद्रोह को टोकागावा शोगुनेट द्वारा डाल दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय अलगाव की नीति का अंतप्रर्योजक प्रवर्तन हुआ।
15 अप्रैल 1638	शिमबरा में कैथोलिक जापानी किसानों द्वारा किए गए करों में एक विद्रोह को टोकागावा शोगुनेट द्वारा डाल दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय एकांत की नीति का अधिक से अधिक प्रवर्तन हुआ।
25 अप्रैल 1644	चीन का मिंग राजवंश तब गिर गया जब चोंगजेन सम्राट ने ली ज़िचेंग के नेतृत्व में किसान विद्रोह के दौरान आत्महत्या कर ली।
27 मई 1644	मांचू रीजेंट डोरगन ने शनई दर्रे की लड़ाई में शुन वंश के विद्रोही नेता ली ज़िचेंग को हराया, जिससे मंचू को जीत मिली और बीजिंग शहर को जीत लिया।
10 जुलाई 1645	इंग्लिश सिविल वॉर-द सांसदों ने लांगपोर्ट की लड़ाई में अंतिम विद्रोही क्षेत्र की सेना को नष्ट कर दिया, अंततः इंग्लैंड के पश्चिम पर नियंत्रण कर दिया।
24 अक्टूबर 1648	शांति की वेस्टफेलिया की दूसरी संधि, मुंस्टर की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो तीस साल के युद्ध और डच विद्रोह दोनों को समाप्त कर रहे थे, और स्वतंत्र रूप से स्वतंत्र राज्यों के रूप में सात संयुक्त नीदरलैंड और स्विस संघ के गणराज्य को आधिकारिक तौर पर मान्यता दे रहे थे।
28 जून 1651	पोलैंड और यूक्रेन के बीच बेरेस्टेको की लड़ाई शुरू हुई। यह यूक्रेन में एक कोसैक विद्रोह की लड़ाई थी जो 1648-1657 में दो साल की त्रासदी की समाप्ति के बाद हुई थी। 28 से 30 जून, 1651 तक तीन दिनों तक लड़ी गई, यह लड़ाई स्टायर नदी के पहाड़ी मैदान के दक्षिण में, वोलहिनिया प्रांत में हुई।
28 जून 1651	Khmelnytsky विद्रोह- Zaporozhian Cossacks वर्तमान यूक्रेन के Volhynia क्षेत्र मेंBestestechko की लड़ाई में पोलिश-लिथुआनियाई राष्ट्रमंडल की ताकतों को संघर्ष करना शुरू कर दिया।

30 जून 1651	Khmelnytsky विद्रोह-यूक्रेनी Cossacks और उनके CrimeanTatar सहयोगियों को पोलिश-लिथुआनियाई राष्ट्रमंडल सेना द्वारा Berestechko की लड़ाई का सत्यानाश कर दिया गया था, शायद 17 वीं शताब्दी में सबसे बड़ी भूमि लड़ाई थी।
7 सितम्बर 1652	फॉर्मोसा (ताइवान) पर चीनी किसानों ने चार दिन बाद दबाए जाने से पहले डच शासन के खिलाफ एक विद्रोह शुरू किया।

नीचे दिए गए प्रश्न और उत्तर प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। यह भाग हमें सुझाव देता है कि सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। यह प्रश्नोत्तरी एसएससी (SSC), यूपीएससी (UPSC), रेलवे (Railway), बैंकिंग (Banking) तथा अन्य परीक्षाओं में भी लाभदायक है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर (FAQs):

प्रश्न: किसने 1857 के विद्रोह को स्वतंत्रता का प्रथम भारतीय युद्ध कहा था?

उत्तर: बी० डी० सावरकर *(Exam - SSC STENO G-C Dec, 1996)*
प्रश्न: 1857 का विद्रोह मुख्यतः इसलिए अक्षसफल हुआ क्योंकि-

उत्तर: भारत की ओर से योजना और नेतृत्व में कमी के कारण *(Exam - SSC BSF Dec, 1997)*
प्रश्न: बिन्दुसागर ने विद्रोहियों (Rebellion) को कुचलने के लिए अशोक को कहाँ भेजा?

उत्तर: तक्षशिला *(Exam - SSC CML Oct, 1999)*
प्रश्न: सन् 1857 के विद्रोह का नेतृत्व लखनऊ से किसने किया था?

उत्तर: बेगम हजरत महल *(Exam - SSC CML May, 2000)*
प्रश्न: चीन में 1911 ई0 के विद्रोह का क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: एक गणतंत्र की स्थापना *(Exam - SSC CML May, 2000)*
प्रश्न: 1857 के विद्रोह में नाना साहब कहाँ से विद्रोह कर रहे थे?

उत्तर: कानपुर *(Exam - SSC SOA Dec, 2003)*
प्रश्न: भारत में बाहरी आक्रमण अथवा सशस्त्र विद्रोह के कारण भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा किसके अंतर्गत की गई ?

उत्तर: अनुच्छेद-352 *(Exam - SSC CGL Apr, 2013)*
प्रश्न: 1946 ई0 में भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध नौसेना द्वारा खुला विद्रोह किस स्थान पर हुआ था?

उत्तर: बम्बई *(Exam - SSC MTS Feb, 2014)*
प्रश्न: शासक वाजिद अली शाह की पहली पत्नी कौन थीं जिंहोने सन 1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह किया था?

उत्तर: बेगम हज़रत महल

प्रश्न: 1857 के विद्रोह का प्रारम्भ किसकी वजह से हुआ था?

उत्तर: बंदूक

You just read: Bhaarat Aur Duniya Mein Pramukh Vidrohon Kee Soochee